DEPARTMENT OF HINDI

D.P. VIPRA COLLEGE BILASPUR (C.G.)

(AN AUTONOMOUS COLLEGE)

Scheme and Syllabus

of

M.A. HINDI I,II,III&IV

Program Code- DPMA01

Semester System for affiliated college

(As per LOCF and credit system)

2025-26

DEPARTMENT OF HINDI

Scheme of M.A. (Hindi) under Semester System

Program Code& Name: DPMA01 - M.A. (Hindi)

Session 2024-25

Semester	Course Code	Course Name	Credit			Total Credit	Marks			
							ESE	CIA	Total	
			L	T	P				MAX	MIN
प्रथम	MHNT101	हिंदी साहित्य का इतिहास (आदिकाल से रीतिकाल तक)	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNT102	प्राचीन काव्य	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNT103	हिंदी कथा साहित्य	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNT104	भाषा विज्ञान	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNT105	समसामयिक साहित्य में स्त्री विमर्श	3	1	-	4	70	30	100	40
					Total	**20**	**350**	**150**	**500**	**200**
द्वितीय	MHNT 201	हिंदी साहित्य का इतिहास (आधुनिककाल)	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNT202	मध्यकालीन काव्य	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNT203	हिंदी नाटक एवं निबंध साहित्य	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNT204	हिंदी भाषा	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNT205	छत्तीसगढ़ी भाषा का का साहित्य	3	1	-	4	70	30	100	40
					Total	**20**	**350**	**150**	**500**	**200**
तृतीय	MHNT301	भारतीय काव्यशास्त्र एवं साहित्यालो	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNT302	छायावादी काव्य	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNT303	प्रयोजनमूलक हिंदी	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNT304	भारतीय साहित्य	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNT305	अनुवाद विज्ञान	3	1	-	4	70	30	100	40
					Total	**20**	**350**	**150**	**500**	**200**
चतुर्थ	MHNT401	पाश्चात्य काव्यशास्त्र	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNT402	छायावादोत्तर काव्य	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNT403	पत्रकारिता प्रशिक्षण	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNT404	रंगमंच और लोक–साहित्य	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNE405	परियोजना कार्य – विशिष्ट रचनाकार का अध्यय	3	1	-	4	70	30	100	40
	MHNE406	लघु शोध प्रबंध								
					Total	**20**	**350**	**150**	**500**	**200**
					Grand Total	**80**	**1400**	**600**	**2000**	**800**

Program Code and Name	**DPMA - 01**		Semester	**IV**
Exam Code and Name	**M.A HINDI FOURTH SEMESTER**		Paper	**I**
Course Code	**MHNT-401**		Course Type	**T**
Course Title	**पाश्चात्य काव्यशास्त्र**			
Total Credit	**4**			
Total Marks	CIA: 30	ESE: 70	Max Marks: 100	Min. Pass. Marks: 40
Prerequisites (if any)				
Course Outcomes	• विद्यार्थी भारतीय एवं पाश्चात्य साहित्य सिद्धांतों की मूल अवधारणाओं को समझ सकेंगे। • आलोचकों के विचारों के माध्यम से विश्लेषण और आलोचना की दृष्टि विकसित होगी। • प्रमुख साहित्यिक वादों और आंदोलनों की पहचान कर उनके प्रभावों का मूल्यांकन कर सकेंगे। • साहित्यिक पाठों का व्यावहारिक विश्लेषण करने की क्षमता विकसित होगी। • शोध लेखन, तार्किक विवेचन और मौलिक अभिव्यक्ति की योग्यता में वृद्धि होगी।			

Contents of Course

Unit	Contents	No. of Period
I	प्लेटो : काव्य सिद्धांत अरस्तू : अनुकरण सिद्धांत, त्रासदी विवेचन का विश्लेषण लोंजाइनस : उदात्त की संकल्पना और उसकी विशेषताएं	15
II	वर्डसवर्थ : काव्य की अवधारणा और उसकी प्रकृति का विवेचन कालरिज : कल्पना के सिद्धांत का प्रतिपादन मैथ्यू आर्नाल्ड : आलोचना के स्वरूप और उद्देश्य की विवेचना	15
III	टी.एस. इलियट : परंपरा की परिकल्पना और वैयक्तिकप्रज्ञा, निर्वैयक्तिकता का सिद्धांत, वस्तुनिष्ठ समीकरण, संवेदनशीलता का असाहचर्य आई. ए. रिर्चड्स : रागात्मक अर्थ, संवेगों का संतुलन, व्यावहारिक आलोचना	15
IV	सिद्धांत और वाद – अभिजात्यवाद, स्वच्छंदतावाद, अभिव्यंजनावाद, मार्क्सवाद, मनोविश्लेषणवाद तथा अस्तित्ववाद	15
	Total no. of Lectures	60

Text books	**पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. नगेन्द्र** **पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. सत्यदेव चौधरी**
Reference books	1. भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. गणपति चंद्रगुप्त 2. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – डॉ. विजय बहादुर सिंह 3. साहित्य सिद्धांत – श्री रामअवध द्विवेदी 4. साहित्य समीक्षा के मापदंड – डॉ. राजेन्द्र कुमार 5. पाश्चात्य काव्यशास्त्र – देवेन्द्रनाथ शर्मा **ई–संसाधन (E-Resources)** : - 1. ई. जर्नल्स, ई. पुस्तके दृश्य – श्रव्य सामग्री, वीडियो व्याख्यान, इलेक्ट्रॉनिक डाटाबेस, ई–शोधलेख। 2. www.ndl.iitkgp.ac.in (National Digital Libarary of India) **हिंदी अध्ययन मण्डल के अध्यक्ष, विषय विशेषज्ञ एवं सदस्यों के हस्ताक्षर**

Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Maximum Marks: 100 Marks	Continuous Internal Assessment (CIA): 30 Marks	End Semester Exam (ESE) : 70 Marks
Continuous Internal Assessment (CIA)	Internal Test/Quiz- (2): 20 & 20 Assignment / Seminar: 10 Total Marks: 30	Better marks out of the two Test / Quiz + obtained marks is Assignment shall be considered against **30** Marks
End Semester Exam (ESE)	**Three Section - A, B & C** Section A: Q1. Objective- 10 x 1 = 10 Mark; Section B: Long Answer type questions 1 out of 2 from each unit- 4 x 5 = 20 Marks; Section C: Descriptive answer type questions 1 out of 2 from each unit- 4 x 10 = 40 Marks;	

Program Code and Name	**DPMA - 01**		Semester	**IV**
Exam Code and Name	**M.A HINDI FOURTH SEMESTER**		Paper	**II**
Course Code	**MHNT-402**		Course Type	**T**
Course Title	**छायावादोत्तर काव्य**			
Total Credit	**4**			
Total Marks	CIA: 30	ESE: 70	Max Marks: 100	Min. Pass. Marks: 40
Prerequisites (if any)				
Course Outcomes	• अज्ञेय, मुक्तिबोध, नागार्जुन और अन्य कवियों की प्रतिनिधि कविताओं का गहन अध्ययन एवं सृजनात्मक विवेचन कर सकेंगे। • कवियों के जीवन, रचना–यात्रा और उनके वैचारिक विकास की ऐतिहासिक एवं सैद्धांतिक समझ विकसित करना। • काव्य सौष्ठव एवं शिल्प विश्लेषण छंद, भाषा, प्रतीक, बिंब, संरचना और शैली की विशेषताओं को समझने एवं व्याख्यायित करने की क्षमता विकसित करना। • आलोचनात्मक एवं वैचारिक दृष्टिकोण का विकास पाठ और प्रसंग के भीतर छिपे सामाजिक, राजनैतिक, दार्शनिक और सांस्कृतिक संकेतों को पहचानने व आलोचनात्मक विश्लेषण करने की दृष्टि निर्मित करना है			

Contents of Course

Unit	Contents	No. of Period
I	सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय' नदी के द्वीप, असाध्य वीणा, यह द्वीप अकेला, कलगी बाजरे की हरी घास पर क्षण भर, अंतःसलिला, आंगन के पार द्वार व्याख्या एवं आलोचना 'अज्ञेय' व्यक्तित्व एवं कृतित्व, काव्य सौष्ठव, विशेषताएँ	15
II	गजानन माधव मुक्तिबोध ब्रह्मराक्षस, चांद का मुंह टेढा है, भूल गलती व्याख्या एवं आलोचना गजानन माधव मुक्तिबोध व्यक्तित्व एवं कृतित्व, काव्य सौष्ठव, विशेषताएँ	15
III	नागार्जुन बादल को घिरते देखा है, सतरंगे पंखों वाली, सिंदूर तिलकित भाल, विप्लव देखा हमने मैं मिलिट्री का बूढा घोडा, युगधारा, बसत की अगवानी, प्रेत का बयान व्याख्या एवं आलोचना नागार्जुन व्यक्तित्व एवं कृतित्व, काव्य सौष्ठव, विशेषताएँ	15
IV	द्रुतपाठ रचनाकार–श्रीकांत वर्मा, दुष्यंत कुमार, रघुवीर सहाय, नरेश मेहता, डॉ. शिवमंगल सिंह सुमन	15
	Total no. of Lectures	60

Text books	असाध्य वीणा, हरी घास पर क्षण भर – अज्ञेय चांद का मुंह टेढ़ा है – मुक्तिबोध सतरंगे पंखों वाली – नागार्जुन
Reference books	1. छायावादोत्तर काव्य धारा – डॉ. शिवमंगल शिव सुमन, डॉ. विजय बहादुर सिंह 2. छायावादोत्तर हिंदी साहित्य – डॉ. जगमोहन मिश्र 3. नागार्जुन के काव्य में प्रगतिशील चिंतन – डॉ. गोविंद के. बुरशे 4. अज्ञेय का साहित्य चिंतन – नामदेव जासूद 5. आधुनिक हिंदी साहित्य का इतिहास – डॉ. सूर्यनारायण रणसुभे **ई–संसाधन (E-Resources)** : - 1. ई. जर्नल्स, ई. पुस्तके दृश्य – श्रव्य सामग्री, वीडियो व्याख्यान, इलेक्ट्रॉनिक डाटाबेस, ई–शोधलेख। 2. www.ndl.iitkgp.ac.in (National Digital Libarary of India)

Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:

Maximum Marks: 100 Marks	Continuous Internal Assessment (CIA): 30 Marks	End Semester Exam (ESE) : 70 Marks
Continuous Internal Assessment (CIA)	Internal Test/Quiz- (2): 20 & 20 Assignment / Seminar: 10 Total Marks: 30	Better marks out of the two Test / Quiz + obtained marks is Assignment shall be considered against **30** Marks
End Semester Exam (ESE)	**Three Section - A, B & C** Section A: Q1. Objective- 10 x 1 = 10 Mark; Section B: Long Answer type questions 1 out of 2 from each unit- 4 x 5 = 20 Marks; Section C: Descriptive answer type questions 1 out of 2 from each unit- 4 x 10 = 40 Marks;	

Program Code and Name	**DPMA - 01**		Semester	**IV**
Exam Code and Name	**M.A HINDI FOURTH SEMESTER**		Paper	**III**
Course Code	**MHNT-403**		Course Type	**T**
Course Title	**पत्रकारिता प्रशिक्षण**			
Total Credit	**4**			
Total Marks	CIA: 30	ESE: 70	Max Marks: 100	Min. Pass. Marks: 40
Prerequisites (if any)				
Course Outcomes	• पत्रकारिता का ऐतिहासिक एवं साहित्यिक परिप्रेक्ष्य से अवगत कराना। • पत्रकारिता प्रशिक्षण के व्यावसायिक महत्त्व की जानकारी प्राप्त करना। • सांस्कृतिक कार्य की दृष्टि से पत्रकारिता प्रशिक्षण का उपयोग करना सीख सकेंगे। • पत्रकारिता के मूल्यों, दायित्वों से अवगत हो सकें।			

Contents of Course

Unit	Contents	No. of Period
I	विश्व पत्रकारिता का उदय भारत में पत्रकारिता का आरंभ पत्रकारिता स्वरूप एवं पत्रकारिता केंद्रित साहित्य हिंदी पत्रकारिता का उद्‌भव–विकास	15
II	संपादन कला के सामान्य सिद्धांत समाचार के विभिन्न स्त्रोत सवांददाता की अर्हता–श्रेणी एवं कार्य पद्धति पत्रकारिता से संबंधित लेखन संपादकीय, फीचर रिपोर्ताज. साक्षात्कार खोजी समाचार, अनुवर्तन (फोलोअप) आदि की प्रविधि	15
III	इलेक्ट्रानिक मीडिया की पत्रकारिता रेडियो, टी.वी., सिनेमा, विडियो, मल्टीमीडिया और इंटरनेट पत्रकारिता, नवजनमाध्यम के अंतर्गत (ऑनलाइन पत्रकारिता, हिंदी ब्लॉग, हिंदी पत्र पत्रिकाएं, हिंदी ई–पोर्टल, हिंदी वेबसाइट्स तथा हिंदी विकीपीडिया) प्रिंट पत्रकारिता – मुद्रण कला, प्रुफ शोधन, ले आउट तथा पृष्ठ सज्जा पत्रकारिता प्रबंधन प्रशासनिक व्यवस्था, ब्रिकी तथा वितरण व्यवस्था मुक्त प्रेस की अवधारणा	15
IV	लोक संपर्क तथा विज्ञापन प्रसार भारती तथा सूचना प्रौद्योगिकी प्रेस संबंधित कानून तथा आचार संहिता प्रजातांत्रिक व्यवस्था में चतुर्थ स्तंभ के रूप में पत्रकारिता का दायित्व।	15
	Total no. of Lectures	60

Text books	**पत्रकारिता के मूल सिद्धान्त – डॉ. रामचंद्र तिवारी** **पत्रकारिता परिचय – डॉ. अर्जुन तिवारी**
Reference books	1. हिंदी पत्रकारिता – कृष्ण बिहारी मिश्र 2– हिंदी पत्रकारिता का वृहद् इहिास – अर्जुन तिवारी 3– इंटरनेट पत्रकारिता – सुरेश कुमार 4– रेडियो और दूरदर्शन पत्रकारिता – हरिमोहन जी 5– जनसंचार प्रकृति और परंपरा – प्रो. सूर्यप्रकाश दीक्षित 6– खोजी पत्रकारिता – हरिमोहन जी **ई–संसाधन (E-Resources)** : - 1. ई. जर्नल्स, ई. पुस्तके दृश्य – श्रव्य सामग्री, वीडियो व्याख्यान, इलेक्ट्रॉनिक डाटाबेस, ई–शोधलेख। 2. www.ndl.iitkgp.ac.in (National Digital Libarary of India))

Assessment and Evaluation

Suggested Continuous Evaluation Methods:		
Maximum Marks: 100 Marks	Continuous Internal Assessment (CIA): 30 Marks	End Semester Exam (ESE) : 70 Marks
Continuous Internal Assessment (CIA)	Internal Test/Quiz- (2): 20 & 20 Assignment / Seminar: 10 Total Marks: 30	Better marks out of the two Test / Quiz + obtained marks is Assignment shall be considered against **30** Marks
End Semester Exam (ESE)	**Three Section - A, B & C** Section A: Q1. Objective- 10 x 1 = 10 Mark; Section B: Long Answer type questions 1 out of 2 from each unit- 4 x 5 = 20 Marks; Section C: Descriptive answer type questions 1 out of 2 from each unit- 4 x 10 = 40 Marks;	

Program Code and Name	**DPMA - 01**		Semester	**IV**
Exam Code and Name	**M.A HINDI FOURTH SEMESTER**		Paper	**IV**
Course Code	**MHNT-404**		Course Type	**T**
Course Title	**रंगमच एवं लोक–साहित्य**			
Total Credit	**4**			
Total Marks	CIA: 30	ESE: 70	Max Marks: 100	Min. Pass. Marks: 40
Prerequisites (if any)				
Course Outcomes	• लोक–साहित्य एवं रंगमंच के माध्यम से स्थानीय लोक संस्कृति और परंपराओं से अवगत कराना। • इसमें लोक कथाएँ, लोकगीत, लोकनाट्य, कहावतें, मुहावरें और अन्य पाारंपरिक संस्कृति एवं परिवेश से अवगत कराना है। • रंगमंच की परख विद्यार्थियों में बौद्धिक एवं कौशल क्षमता में सहायक हो सकते हैं। • रंगमंच और लोक–साहित्य के अध्ययन से साहित्य और समाज को नए सिरे से समझने में सहायक हो सकते हैं।			

Contents of Course		
Unit	**Contents**	**No. of Period**
I	रंगमंच की अवधारणा, आशय और प्रकार रंगशिल्प, रंगभाषा, ध्वनि, लोकमंच, देशज संवेदना, रंगमंच और लोकसाहित्य की प्रकृति लोकसाहित्य की अवधारणा, स्वरूप, आशय और क्षेत्र लोकभाषा, परिनिष्ठित भाषा, मानक भाषा की प्रकृति	15
II	लोक संस्कृति और लोकसाहित्य की अवधारणा मिथक और लोकसाहित्य, लोकसाहित्य के विविध रूप–लोकगीत, देवी गीत, ऋतु गीत, श्रम गीत, विवाह गीत, संस्कार गीत, जन्म एवं मृत्यु संबंधित गीत एवं उनका भाषिक सौदर्न्य	15
III	लोकनाट्य परंपरा, लोकगाथा, लोक आख्यान, आल्हा, पंडवानी, चंदैनी, रामलीला, रासलीला, नौटंकी, लावनी, प्रहसन, बिदेसिया, नाचा, खयाल, बाहरमासा	15
IV	बिदेसिया – भिखारी ठाकुर लोरिक चंदा – भोलाराम दास चरनदास चोर – हबीब तनवीर	15
	Total no. of Lectures	60

Text books	हिंदी नाटक और रंगमंच – डॉ. लक्ष्मीनारायण लाल रंगमंच – नेमीकचंद्र जैन
Reference books	01. लोक–साहित्य की भूमिका – धीरेंद्र वर्मा 02. लोक–साहित्य विज्ञान – डॉ. सत्येंद्र 03. छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य और भाषा – डॉ. बिहारी लाल साहू 04. भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच – सीताराम चतुर्वेदी 05. लोकसाहित्य की प्रासंगिकता – संपादक डॉ. जयश्री शुक्ला, डॉ. राजेश चतुर्वेदी 06. लोक–साहित्य की भूमिका – धीरेंद्र वर्मा 07. लोक–साहित्य विज्ञान – डॉ. सत्येंद्र 08. छत्तीसगढ़ी लोकसाहित्य और भाषा – डॉ. बिहारी लाल साहू 09. रंगदर्शन – नेमीचंद्र जैन 10. भारतीय एवं पाश्चात्य रंगमंच – सीताराम चतुर्वेदी 11. लोकसाहित्य की प्रासंगिकता – संपादक डॉ. जयश्री शुक्ला, डॉ. राजेश चतुर्वेदी **ई–संसाधन (E-Resources)** : - 1. ई. जर्नल्स, ई. पुस्तके दृश्य – श्रव्य सामग्री, वीडियो व्याख्यान, इलेक्ट्रॉनिक डाटाबेस, ई–शोधलेख। 2. www.ndl.iitkgp.ac.in (National Digital Libarary of India))

Assessment and Evaluation		
Suggested Continuous Evaluation Methods:		
Maximum Marks: 100 Marks	Continuous Internal Assessment (CIA): 30 Marks	End Semester Exam (ESE) : 70 Marks
Continuous Internal Assessment (CIA)	Internal Test/Quiz- (2): 20 & 20 Assignment / Seminar: 10 Total Marks: 30	Better marks out of the two Test / Quiz + obtained marks is Assignment shall be considered against **30** Marks
End Semester Exam (ESE)	**Three Section - A, B & C** Section A: Q1. Objective- 10 x 1 = 10 Mark; Section B: Long Answer type questions 1 out of 2 from each unit- 4 x 5 = 20 Marks; Section C: Descriptive answer type questions 1 out of 2 from each unit- 4 x 10 = 40 Marks;	

Program Code and Name	**DPMA - 01**		Semester	**IV**
Exam Code and Name	**M.A HINDI FOURTH SEMESTER**		Paper	**V**
Course Code	**MHNT-405**		Course Type	**T/P**
Course Title	**परियोजना कार्य – रचनाकार का विशेष अध्ययन**			
Total Credit	**4**			
Total Marks	CIA: 30	ESE: 70	Max Marks: 100	Min. Pass. Marks: 40
Prerequisites (if any)				
Course Outcomes	• प्रथम विकल्प में रचनाकार के विशेष अध्ययन को समावेशित किया गया है। प्रस्तुत परियोजना कार्य के अंतर्गत विद्यार्थी द्वारा निर्दिष्ट रचनाकारों में से किसी एक रचनाकार के समग्र कृतित्व का गहन अध्ययन एवं उसका सम्यक मूल्यांकन करते हुए न्यूनतम 10000 शब्दों में परियोजना कार्य प्रस्तुत किया जाना अपेक्षित है। • विद्यार्थी किसी एक रचनाकार के व्यक्तित्व एवं कृतित्व के गहन अध्ययन से भविष्य में रचनाकार के साहित्य पर शोध कर सकेंगे। • विद्यार्थी परियोजना कार्य के अंतर्गत उक्त रचनाकारों में से किसी एक की रचनाओं के अध्ययन एवं सम्यक् मूल्यांकन में सक्षम होंगें। • विद्यार्थी रचनाकार का हिंदी साहित्य में योगदान और महत्त्व जान सकेंगे।			

Contents		
1. कबीरदास	2. मलिक मोहम्मद जायसी	3. तुलसीदास
4. सूरदास	5. मीराबाई	6. केशवदास
7. बिहारी	8. भूषण	9. भारतेन्दु हरिशचंद्र
10. जयशंकर प्रसाद	11. सूर्यकांत त्रिपाठी निराला	12. प्रेमचंद
13. महादेवी वर्मा	14. आचार्य रामचंद्र शुक्ल	15. आचार्य हजारी प्रसाद
16. हरिवंश राय बच्चन	17. सुभद्रा कुमारी चौहान	18. यशपाल
19. सच्चिदानंद हीरानंद वात्स्यायन 'अज्ञेय'		20. शिवानी

Text books	
Reference books	**ई–संसाधन (E-Resources)** : - 1. ई. जर्नल्स, ई. पुस्तके दृश्य – श्रव्य सामग्री, वीडियो व्याख्यान, इलेक्ट्रॉनिक डाटाबेस, ई–शोधलेख। 2. www.ndl.iitkgp.ac.in (National Digital Libarary of India))

Assessment and Evaluation		
Suggested Continuous Evaluation Methods:		
Maximum Marks: 100 Marks	Continuous Internal Assessment (CIA): 30 Marks	End Semester Exam (ESE) : 70 Marks
Continuous Internal Assessment (CIA)	Internal Test/Quiz- (2): 20 & 20 Assignment / Seminar: 10 Total Marks: 30	Better marks out of the two Test / Quiz + obtained marks is Assignment shall be considered against **30** Marks
End Semester Exam (ESE)	**Three Section - A, B & C** Section A: Q1. Objective- 10 x 1 = 10 Mark; Section B: Long Answer type questions 1 out of 2 from each unit- 4 x 5 = 20 Marks; Section C: Descriptive answer type questions 1 out of 2 from each unit- 4 x 10 = 40 Marks;	

Program Code and Name	**DPMA - 01**		Semester	**IV**
Exam Code and Name	**M.A HINDI FOURTH SEMESTER**		Paper	**VI**
Course Code	**MHNT-406**		Course Type	**T/P**
Course Title	**वैकल्पिक–लघु शोध प्रबंध**			
Total Credit	**4**			
Total Marks	CIA: 30	ESE: 70	Max Marks: 100	Min. Pass. Marks: 40
Prerequisites (if any)				
Course Outcomes	• मनुष्य की प्रवृत्ति ज्ञिज्ञासु होती है। इसी कारण मनुष्य जीवन पर्यंत अनुसंधान में लगा रहता है। नए–नए सिद्धांत, नए–नए तथ्य, नई–नई उपलब्धियां इसी शोध का परिणाम हैं। • हिंदी भाषा में अनेक विधाओं की रचनाएं कहानी, उपन्यास, नाटक, निबंध, लघुकथा, कविता, महाकाव्य, खण्डकाव्य, व्यंग्य, यात्रा वृतांत, संस्मरण, रेखाचित्र आदि निरंतर लिखे जा रहे हैं, ओर प्रकाशित हो रहे हैं। इन प्रकाशित रचनाओं का अध्ययन करना तथा उनकी समीक्षा करना आवश्यक है। • लघु शोध प्रबंध से विद्यार्थी शोध प्रविधि से परिचित हो सकेंगे। • शोध के क्षेत्र में नए साहित्यकारों की रचनाएं उनके साहित्य में योगदान और महत्त्व को अनावृत करके आने वाले विद्यार्थी का मार्ग प्रशस्त कर सकेंगे।			

Contents
किसी भी विधा की कम से कम 2 अधिक से अधिक चार नवीनतम कृतियों का अध्ययन और समीक्षा न्यूनतम 80–100 पृष्ठों में की जाए। छात्र द्वारा चयन की गई कृति का प्रकाशन 3 वर्ष पूर्व हुआ हो। उदाहरण छात्र यदि 2024 की मुख्य परीक्षा में सम्मिलित हो रहे है, तो उनकें द्वारा चयन की गई कृति का प्रकाशन वर्ष 2021 के पहले का नहीं होना चाहिए।

Text books	
Reference books	**ई–संसाधन (E-Resources)** : - 1. ई. जर्नल्स, ई. पुस्तके दृश्य – श्रव्य सामग्री, वीडियो व्याख्यान, इलेक्ट्रॉनिक डाटाबेस, ई–शोधलेख। 2. www.ndl.iitkgp.ac.in (National Digital Libarary of India))

Assessment and Evaluation		
Suggested Continuous Evaluation Methods:		
Maximum Marks: 100 Marks	Continuous Internal Assessment (CIA): 30 Marks	End Semester Exam (ESE) : 70 Marks
Continuous Internal Assessment (CIA)	Internal Test/Quiz- (2): 20 & 20 Assignment / Seminar: 10 Total Marks: 30	Better marks out of the two Test / Quiz + obtained marks is Assignment shall be considered against **30** Marks
End Semester Exam (ESE)	**Three Section - A, B & C** Section A: Q1. Objective- 10 x 1 = 10 Mark; Section B: Long Answer type questions 1 out of 2 from each unit- 4 x 5 = 20 Marks; Section C: Descriptive answer type questions 1 out of 2 from each unit- 4 x 10 = 40 Marks;	